भारत विकास परिषद्
Bharat Vikas Parishad

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2020-21 & 2021-22

स्वस्थ – समर्थ – संस्कारित भारत ***Swasth - Samarth - Sanskarit Bharat***

भारत विकास परिषद्
प्रकाशन

भारत विकास परिषद् Bharat Vikas Parishad

प्रकाशन सूची - List of Publication

I. पुस्तकें / पुस्तिकाएं	मूल्य (₹)
1. Karmayogi Swami Vivekanad	10/-
2. Narendra To Vivekanad	05/-
3. Dr. Suraj Prakash, a Life Dedicated to the Nation	10/-
4. Bharat Ko Jano	50/-
5. नरेन्द्र से विवेकानन्द	05/-
6. राष्ट्र समर्पित डॉ. सूरज प्रकाश	10/-
7. शाखा स्थापना एवं संचालन	15/-
8. राष्ट्रीय चेतना के स्वर	00/-
9. सुरेश (भैयाजी) जोशी	30/-
10. भारत विकास परिषद् – परिचय	01/-
11. भारत को जानो	50/-
12. GVCA-Guidelines for Branches	01/-
13. GVCA-Guidelines for Schools	01/-
14. Divyang Sahayata Yojana	01/-
15. Blood Donation	01/-
16 रक्तदान	01/-
17 दिव्यांग सहायता योजना	01/-
18 गुरु वन्दन छात्रा अभिनन्दन – शाखाओं के लिए निर्देश	01/-
19 पर्यावरण	01/-
20 समग्र ग्राम विकास	01/-
21 प्रौढ साधना	01/-
21 सामूहिक सरल विवाह	01/-
23 संस्कृति सप्ताह	01/-
24 बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ	01/-
25 वनवासी सहायता	01/-
26 हिन्द की चादर	01/-
27 लेपल पिन	35/-
28 चार्टर	250/-

Bharat Vikas Parishad
Bharat Vikas Bhawan, BD Block, Behind Power House, Pitampura, Delhi-110034 Ph. : 011-27313051, 27316049
E-mail: bvp@bvpindia.com website: www.bvpindia.com

वार्षिक प्रतिवेदन
2020–2021 एवं 2021–22

संगठन का नाम – **भारत विकास परिषद्**

वर्तमान में शाखाओं की संख्या – **1483** और सदस्यता – **64785**

पूरे देश में परिषद् के कार्यानुसार प्रांतों की संख्या – **76**

कुल क्षेत्र (रीजन) – **10**

कुल जिलों की संख्या – **748**

(क) जिलों की संख्या जिसमे शाखाएँ हैं – **407** (55 प्रतिशत)

(ख) जिलों की संख्या जिसमे शाखाएं नहीं हैं – **341** (45 प्रतिशत)

1. **हमारी दृष्टि** – भारत का विकास एवं उन्नति, सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षिक, नैतिक, राष्ट्रीय एवं आध्यात्मिक क्षेत्रों में प्रयत्न करके स्वस्थ – समर्थ – संस्कारित भारत का निर्माण करना।

2. **हमारा ध्येय** – उच्च वर्ग के बुद्धजीवी एवं संपन्न नागरिकों को संगठित करना एवं निर्धन , शारीरिक रूप से असमर्थ , अशिक्षित एवं उपेक्षित वर्ग की सेवा के लिए कर्तव्य समझ कर प्रेरित करना न कि दान की उदारता के रूप में।

3.**पाँच सूत्र** – संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण।

राहत कार्य

जैसा कि आप सभी जानते है कि कोविड–19 महामारी के कारण पिछले दो वर्ष बड़े ही संघर्ष पूर्ण रहे हैं, फिर भी इस महामारी के बीच हमारे कार्यकर्ताओं ने बड़े ही मनोयोग से मानवता की सेवा में सतत लगे रहे।

लॉक डाउन के प्रारम्भ होते ही 25 मार्च 2020 को राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक बुलाई गयी और सर्वसम्मति से सभी सदस्यों को कोविड राहत कोष के लिए अपील भेजी गयी। कोरोना काल के मानवीय संकट में भारत विकास परिषद् के सदस्यों अपने मानसिक एवं सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए देशभर में बड़े पैमाने पर राहत सामग्री जैसे–राशन किट, सेनेटाइजर, मास्क, आयुर्वेदिक औषधियां (काढ़ा), पीपीई किट तथा भोजन के पैकेट का वितरण किया गया। राहत कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

प्रधान मंत्री राहत कोष –	₹ 2,11,00,000/–
भोजन पैकेट –	1628664
राशन किट –	268365
मास्क –	678541
सेनेटाइजर –	185508
पीपीई किट –	6015
लाभान्वित –	11,56,642
कुल लागत राशि –	**247046241**

- अप्रैल 2021 में कोरोना महामारी की दूसरी लहर में राशन किट, मास्क, सेनेटाइजर, पीपीई किट के साथ साथ पूरे देश में 200 से अधिक ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर वितरित किये गए। पुणे में 34 लाख की लागत से एक बडा ऑक्सीजन प्लांट प्रारम्भ किया गया और ऐसे ही कोटा एवं गुरुग्राम में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किये गए, देश के कई सेवा केंद्रों पर सरकारी दिशानिर्देश के अनुसार पूरी सुविधा के साथ कोरेन्टाइन सेंटर बनायें गए जिसमें कई हजार लोग लाभान्वित हुए।

- कोरोना काल में जिन परिवारों के कमाई करने वाला घर का मुखिया काल ग्रसित हो गया है। ऐसे 167 परिवार देष के 14 प्रदेषों से परिशद् के षाखाओं एवं प्रांतों के माध्यम से चयनित किया गया है। इन चयनित षोक संतप्त परिवारों को भारत विकास परिशद् द्वारा रुपये 1000/– प्रति माह सहायतार्थ राषि प्रदान की जा रही है। यह वित्तीय सहायता उन्हें एक वर्श तक प्रत्येक माह सीधे उनके बैंक खातों दी जाएगी। दिसम्बर 2021 में पहली किस्त और फरवरी 2022 में तीसरी किस्त भेजी जा चुकी है।

संगठन

लॉकडाउन की स्थिति में सभी सदस्यों से संपर्क के लिऐ कई वर्चुअल मीटिंग के ग्रुप बनाये गए जिसके माध्यम से लगातार राष्ट्रीय स्तर से शाखा स्तर तक के सभी सदस्य एक दूसरे से सम्पर्क करके कुशल क्षेम पूछते रहे ताकि कोई भी सदस्य महामारी के खौफ में मानसिक तनाव का शिकार न बने।

राष्ट्रीय कोर समिति की बैठकें (2020–21)

25–04–2020 वर्चुअल
16–05–2020 वर्चुअल
30–05–2020 वर्चुअल
19–07–2020 वर्चुअल
23–08–2020 फिजिकल भ.वि.प. भवन
05–09–2020 वर्चुअल

27 एवं 28–09–2020 फिजिकल भ.वि.प. भवन
01–11–2020 फिजिकल भ.वि.प. भवन
27–12–2020 फिजिकल भ.वि.प. भवन
27–01–2021 फिजिकल भ.वि.प. भवन
28–02–2021 फिजिकल भ.वि.प. भवन

राष्ट्रीय कोर समिति की बैठकें (2021–22)

19–06–2021 फिजिकल भ.वि.प. भवन
10 एवं 11–07–2021 फिजिकल भ.वि.प. भवन
12–08–2021 वर्चुअल
20–08–2021 वर्चुअल
29 –08–2021 फिजिकल गुरुग्राम
09–10–2021 फिजिकल भ.वि.प. भवन
23–11–2021 फिजिकल भ.वि.प. भवन
16 एवं 17–01–2022 फिजिकल भ.वि.प. भवन
06 एवं 7–02–2022 फिजिकल भ.वि.प. भवन
5–6 मार्च 2022 फिजिकल भ.वि.प. भवन

राष्ट्रीय कार्यकारणी समिति की बैठकें (2020–21)

03–04–2020 वर्चुअल
19–04–2020 वर्चुअल
13–09–2020 वर्चुअल
28–02–2021 भ.वि.प. भवन

राष्ट्रीय कार्यकारणी समिति की बैठकें (2021 –22)

9–08–2021 वर्चुअल
25–03–2022 फिजिकल भ.वि.प. भवन

राष्ट्रीय परिषद् समिति की बैठकें (2020–21)

20–09–2020 वर्चुअल
02–01–2021 वर्चुअल

राष्ट्रीय परिषद् समिति की बैठकें (2021–22)

25–08–2021 वर्चुअल

कार्यशालाः 2020–21 में कोरोना के कारण कोई भी कार्यशाला फिजिकल रुप से आयोजित नही हो सकी परन्तु सभी रीजनों ने वर्चुअल आयोजित किये। 2021–22 में सत्र के प्रारम्भ सें ही कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप बढ़ने लगा जिसमें मात्र एक रीजन

(एनसीआर–1) ने 10 अप्रैल 2021 को कार्यशाला आयोजित किया। शेष सभी रीजनों में वर्चुअल माध्यम से कार्यशाला आयोजित किये गये।

महिला एवं बाल विकास सम्मेलनः 2020–21 में कोरोना के कारण कोई भी महिला सम्मेलन फिजिकल रुप से आयोजित नही हो सके परन्तु सभी रीजनों ने वर्चुअल आयोजित किये। सम्पूर्ण कोरोना काल में हमारी महिला एवं बाल विकास प्रकल्प की टीम ने समय–समय पर पूरे देश में एनीमिया एवं कुपोषण पर गोष्ठियाँ आयोजित की। और जैसे ही परिस्थितियाँ अनुकूल हुई एनीमिया के हजारो शिविरों के आयोजन कर जांच एवं उपचार किये गये। 2021–22 में उत्तर क्षेत्र–1 में 19 दिसम्बर 2021 को पटियाला (पंजाब ईस्ट) में महिला एवं बाल विकास क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें 8 प्रातों से 438 कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही।

क्षेत्रीय अधिवेशनः 2020–21 में क्षेत्रीय सम्मेलन फिजिकल रुप से आयोजित नही हो सके, परन्तु सभी रीजनों ने वर्चुअल माध्यम से आयोजित किये। 2021–22 में निम्नलिखित क्षेत्रीय अधिवेशन आयोजित हुएः

1) 7 नवम्बर 2021 को लुधियाना (पजाब पश्चिम) में उत्तर क्षेत्र–1 का क्षेत्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया जिसमें पूरे क्षेत्र से 125 लोगों ने भाग लिया।
2) 19 दिसम्बर 2021 को लखनऊ (अवध प्रांत) में उत्तर मध्य क्षेत्र–2 का क्षेत्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया जिसमें पूरे क्षेत्र से 350 लोगों ने भाग लिया।
3) 25 एवं 26 दिसम्बर 2021 को आगरा (ब्रज प्रांत) में उत्तर मध्य क्षेत्र–1 का क्षेत्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रुप में भारत सरकार के केन्द्रीय संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल जी उपस्थित रहे। इस अधिवेशन में पूरे क्षेत्र से 350 लोगों ने भाग लिया।

डॉ. सूरज प्रकाश जन्मशताब्दी समारोह

22 नवम्बर, 2021 को दिल्ली के प्रख्यात विज्ञान भवन में भारत विकास परिषद् के संस्थापक डॉ. सूरज प्रकाश जी का जन्मशताब्दी समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ के मुख्य अतिथि धानुका एग्रीटेक के एमडी श्री महेन्द्र कुमार धानुका रहे। समारोह में निकटवर्ती प्रान्तों के परिषद् दायित्वधारी, सदस्यों, प्रसिद्ध उद्योगपतियों, चिकित्सकों, अधिक्ताओं, नौकरशाहों, सीए व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। पूजनीय मोहन भागवत जी ने डॉ. सूरज प्रकाश जी के जीवन की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उनके एक निःस्वार्थ स्वयंसेवी संगठन के निर्माण को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि डॉ. सूरज प्रकाश जी एक प्रतिष्ठित चिकित्सक थे, वे अपना जीवन सुख सुविधा और आराम से व्यतीत कर सकते थे। परन्तु उन्होंने जीवन में सेवा को महत्व दिया।

समाज के प्रति अपनापन, दुखी और पीड़ित लोगों को देखकर उनके प्रति संवेदना और उनकी सेवा को उन्होंने अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। संगठन के बीज रूप में कार्य करते हुए कहना, वही करना, इस भाव से कृतित्व कर उन्होंने संगठन का निर्माण किया। उन्होंने अपनी प्रसिद्धि के लिए काई कार्य नहीं किया। आज जब हम डॉ. सूरज प्रकाश जी की जन्मशताब्दी वर्ष मना रहे हैं, तो शायद उनके समय के बहुत कम लोग होंगे। परन्तु उनका कृतित्व हमें उनकी विलक्षण प्रतिभा को याद दिलाता है। सामान्य जीवन में साधन सम्पन्न लोगों के द्वारा दुखी और पीड़ित मानवता की सेवा के लिए कार्य करने के लिए अपना स्वभाव बदलना पड़ता है। अपना संकल्प निर्धारित करना पड़ता है। तब जीवन की कृति से ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण होता है। ऐसा प्रेरक व्यक्तित्व डॉ. सूरज प्रकाश जी के रूप में हमारे सामने है।

हम अपनी पूर्वजों की कुछ पीढ़ियों को भी शायद स्मरण नहीं रख पाते, परंतु स्वामी विवेकानंद को स्मरण रखते हैं, कारण क्या? उनसे हमारा कोई परिचय नहीं कोई साक्षात्कार नहीं, किसी प्रकार का मानवीय संबंध नहीं, फिर भी हम उनको याद रखते हैं। क्यों? इसलिए कि वे मानवता के लिए जिए उनका अपना कुछ नहीं। साधन नहीं सुख सुविधाएं नहीं, संपन्नता नहीं, शान्ति नहीं, पद नहीं, फिर भी हम उनको स्मरण करते हैं। क्यों? इसलिए कि उन्होंने भारत का साक्षात्कार किया, भारत को गौरव दिलाया। वे सदा के लिए अमर हो गये। राजा रतिदेव ने कहा है – न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं नापुनर्भवम्। कामये दुःखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनम्।। अर्थात् न मुझे राज्य की इच्छा है न मोक्ष की अभिलाषा है और न ही मेरी पुनर्जनम की इच्छा है। मैं दुखी, पीड़ित मनुष्यों का दुःख दूर कर सकूँ यही मेरी अभिलाषा है।

डॉक्टर सूरज प्रकाश जी ने ऐसा जीवन जीने का संदेश हमें दिया कि समन्वय के आधार पर विभिन्न प्रकार के संघर्षों से दूर एक आत्म चेतना के आधार पर विश्व का कल्याण कर सके। उन्होंने कार्य पद्धति का निर्माण किया जिसके आधार पर संपूर्ण मानवता प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सके।

डॉक्टर सूरज प्रकाश जी ने हमें जो कार्यपद्धति दी यही उनका वैशिष्ट्य है उनके जीवन का प्रतिबिंब। भारत विकास परिषद् के कार्यों से प्रकट होता है कि भारत एक महाशक्ति नहीं बनेगा बल्कि यह विश्व गुरु बनेगा। श्रेष्ठ जीवन शैली, श्रेष्ठ आध्यात्मिक, सामरिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन मूल्यों का निर्माण करेगा और इसके आधार पर सारे संसार के लोगों को अपनी विशेषताओं के साथ जीवन निर्माण करने के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा यही कार्य भारत को करना है।

स्थायी कॉर्पस फंड

जैसा कि आप जानते हैं हमारे प्रकल्पों के वित्तपोषण के लिए और किसी प्राकृतिक आपदा में तत्काल राहत कार्यों के लिए धन उपलब्ध कराने की दृष्टि से भारत विकास परिषद् की ''विकास रत्न'' और ''विकास मित्र योजनाओं के माध्यम से स्थायी कॉर्पस फण्ड की व्यवस्था की है।

पिछल दो वर्षों में नए विकास रत्न एवं मित्रः

2020–21 में 11 नए विकास रत्न और 26 विकास मित्र जुड़े
2021–22 में 25 नए विकास रत्न और 65 विकास मित्र जुड़े
इस प्रकार 25.03.2022 तक 239 विकास रत्न और 3789 विकास मित्र थे। इसका प्रान्तशः विवरण पेज न. 23 पर संलग्न है।

वित्तीय सहायता

2020–21 के दौरान विभिन्न स्थायी प्रकल्पों एवं राहत कार्यों के लिए निम्नलिखित अनुदान प्रदान किये गए :

PM CARE FUND कोरोना राहत कोष के लिए		2,11,00,000
अजमेर में स्थाई प्रकल्प के लिए		3,00,000
कौशल विकास केंद्र अगरतला त्रिपुरा		1,40,000
प्रान्त को सेवा प्रकल्प हेतु		2,99,739
	कुल योग	**21,839,739**

2021–22

प्रान्तों को सेवा प्रकल्प हेतु	1,18,113
उत्तर पश्चिम के क्षेत्रीय कार्यालय (जयपुर) हेतु	50,00,000
उत्तर क्षेत्र–1 के क्षेत्रीय कार्यालय (पठानकोट) हेतु	5,00,000
उत्तर मध्य क्षेत्र–2 के क्षेत्रीय कार्यालय (लखनऊ) हेतु	25,54,000
प्रान्तों को कार्यक्रम हेतु	3,26,000
प्राकृतिक आपदा एवं अन्य राहत कार्य	2,10,400

लेखा–जोखा–2020–21

भारत विकास परिषद के साथ सभी प्रांतों का audited Balance Sheet and Income & Expenditure Account 2021–21 सम्मिलित रूप से (पेज न. 27 एवं 28 पर संलग्न है।

प्रकल्प और कार्यक्रम

संस्कार

1.राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता (NGSC)

2020–2021 : कोरोना लॉक डाउन के कारण वर्ष 2020–2021 में इस प्रकल्प के अंतर्गत भौतिक रूप से समूह में प्रतियोगिता आयोजित नहीं हो सकी इसके स्थान पर एकल गीत प्रतियोगिता Online माध्यम से 29 दिसम्बर 2020 को आयोजित की गई जिसमें 6828 छात्रों की प्रतिभागिता रही।

2021–2022 : इस वर्ष भी कोरोना की दूसरी लहर की स्थिति में इस प्रकल्प के अंतर्गत

भौतिक रूप से प्रतियोगिता आयोजित नहीं हो सकी, इसके स्थान पर व्दसपदम एकल गीत प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। राष्ट्रीय स्तर की एकलगीत प्रतियोगिता 6 फरवरी 2022 ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई।

2.भारत को जानो

2020–21 : इस प्रकल्प पर भी कोरोना का प्रभाव रहा जिसके कारण वर्ष 2020–21 में सारे शिक्षण संस्थान बन्द होने की स्थिति में भारत को जानो की प्रतियोगिता भौतिक रुप से आयोजित नहीं की जा सकी। अतः सभी कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किये गये। इसके अलावा पर 21–22 नवंबर 2020 ऑनलाइन **रामायण को जानो प्रतियोगिता** आयोजित की गयी जिसमे पूरे देश से 11,500 परिवारों ने भाग लिया।

ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिताः 21 जून 2020 को ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमे पूरे देश से 2950 बच्चों ने भाग लिया।

2021–22 : इस सत्र में शिक्षण संस्थाओं की स्थिति ज्यों की त्यों रही और चाहते हुए भी भौतिक रुप से कार्यक्रम आयोजित नहीं किये जा सके। फिर भी कई क्षेत्र /प्रान्तों ने परिस्थितिनुसार शाखा –प्रांत – रीजन स्तर पर फिजिकल कार्यक्रम आयोजित किये।

- उत्तर क्षेत्र –1 का क्षेत्रीय भारत को जानो प्रतियोगिता 28 नवम्बर 2021 को मोंगा (पंजाब) में आयोजित किया गया। इसमें 8 प्रांतो से 14 टीमों ने भाग लिया।
- उत्तर मध्य क्षेत्र –1 का क्षेत्रीय भारत को जानो प्रतियोगिता 2 जनवरी 2022 को मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) में आयोजित किया गया। जिसमें 7 प्रांतो से 13 टीमों ने भाग लिया।
- उत्तर मध्य क्षेत्र –2 का क्षेत्रीय भारत को जानो प्रतियोगिता 8 जनवरी 2022 को उरई (उत्तर प्रदेश) में आयोजित किया गया। इसमें 5 प्रांतो से 10 टीमों ने भाग लिया।
- शेष सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगताएं आयोजित की गई।

पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी गीता ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसके रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया प्रगति पर है। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ 26 जनवरी 2022 को केन्द्रीय पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

3.गुरु वंदन छात्र अभिनंदनः

वर्ष 2020–21 और 2021–22 में परिस्थितियाँ अनुकूल न होने के कारण सारे शिक्षण संस्थान बंद होने के स्थिति में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन के कार्यक्रम चीलेपबंससल आयोजित नहीं किये जा सके। कई शाखा–प्रांत–रीजन ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम आयोजित किये। जिसमें सभी क्षेत्रों से लगभग 5000 बच्चों ने भाग लिया।

4 गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस और अन्य प्रेरक कार्यक्रम: वर्ष 2020–21 और 2021–22 में कोरोना महामारी के बावजूद भी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पूरे देश में 500 से अधिक कार्यक्रम महापुरुषों की जयंतियाँ एवं अन्य प्रेरक प्रसंगो पर आयोजित किये गये। जैसे – स्वामी विवेकानंद जयंती, गुरुतेग बहादुर बलिदान दिवस, छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, स्वच्छता दिवस, योग दिवस, परिषद् स्थापना दिवस, स्वतत्रंता दिवस एवं गणतंत्र दिवस इत्यादि।

सेवा

1 .दिव्यांग सहायता योजना: वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारतवर्ष में 2.68 करोड़ दिव्यांग व्यक्ति थे जो देश की कुल जनसंख्या का 2 प्रतिशत से भी अधिक थी। ऐसा अनुमान है कि प्रतिवर्ष 40,000 व्यक्ति विभिन्न कारणों से अपंग हो जाते हैं। इस समस्या की विशालता को दृष्टि में रखकर भारत विकास परिषद् ने 1990 में दिव्यांग सहायता एवं पुनर्वास योजना प्रारम्भ की एवं इसे परिषद् के राष्ट्रीय प्रकल्प बनाया गया। इस समय देश भर में परिषद् के 13 केन्द्र कार्यरत हैं। इन केन्द्र पर शिविरों का आयोजन करके दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं अन्य उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराते हैं।

क्र.	स्थापना वर्ष	राज्य	शहर	कुल अंग वितरित (31 मार्च 2021 तक)
1	1990	दिल्ली	दिल्ली	85161
2	1992	हिमाचल प्रदेश	नगरोटा	5938
3	1993	आन्ध्र प्रदेश	हैदराबाद	32396
4	1995	असम	गुवाहाटी	4123
5	1996	पंजाब	लुधियाना	59975
6	1996	राजस्थान	कोटा	9428
7	1996	महाराष्ट्र	पुणे	7848
8	1998	गुजरात	अहमदाबाद	20520
9	1998	मध्य प्रदेश	इंदौर	11468
10	1999	बिहार	पटना	34640
11	1999	हरियाणा	हिसार	12766
12	2000	उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद	7138
13	2005	राजस्थान	सांचोर	4766
			Total	**2,96,197**

- **परिषद् केन्द्रों द्वारा विकलांग सहायताः** परिषद् के दिव्यांग केन्द्र निःशुल्क कृत्रिम अंग, कैलीपर्स, श्रवण यन्त्र, औषधियाँ, विशेष प्रकार के जूते एवं ट्राईसिकिल प्रदान करते हैं। इनके द्वारा मोबाइल वर्कशॉप भी संचालित किये जाते हैं जो कृत्रिम अंग निर्माण करती हैं और परिषद् की विभिन्न शाखाओं द्वारा आयोजित शिविरों में अपनी सेवाएँ प्रदान करती हैं। कुछ केन्द्रों द्वारा पोलियोग्रस्त लोगों की सहायता के लिए उनके ऑपरेशन के विशिष्ठ कार्यक्रम भी संचालित किये जा रहे हैं।

- **दिव्यांग पुनर्वास एवं कल्याणः** परिषद् द्वारा देश के कई सेवा केन्द्रों में दिव्यांगजनों के पुनर्वास हेतु सक्रिय रूप से कार्य किया जा रहा है, ताकि वे एक आत्मनिर्भर जीवन जी सकें। इन केन्द्रों में दिव्यांगों को रोजगारपरक प्रशिक्षण जैसे दृ कम्प्यूटर पर काम करना, सिलाई, कपड़ों की छपाई, जिल्दसाजी, मोमबत्ती, चाक, डस्टर, कुर्सी बुनना, चमड़े की बेल्ट इत्यादि का निर्माण एवं अन्य इसी प्रकार की कारीगरी सिखाई जाती है। कार्यालयों, फैक्ट्रियों इत्यादि में इन्हें रोजगार दिलाने का भी प्रयास किया जाता है। ये केन्द्र दिव्यांगों के विवाह का भी आयोजन करते हैं।

2. समग्र ग्राम विकास योजनाः गांवो के सर्वांगीण विकास के लिए भारत विकास परिषद् का समग्र ग्राम विकास योजना एक अति महत्वाकांक्षी प्रकल्प है। इसके अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में जिन्दल फाउन्डेशन कनाडा की वित्तीय सहायता से परिषद् द्वारा गांवों में बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गांवो को गोद लिया जाता है।

अभी तक परिषद द्वारा 19 राज्यों में 72 गांवो को गोद लिया जा चुका है। जिसमें 16 गांवों में कार्य पूरा हो गया है और 56 गांवों में कार्य प्रगति पर है। पिछले 2 सालों में कोरोना महामारी की स्थिति में नए गाँवों का चयन नहीं किया जा सका है। अभी 3–4 नए गाँवों को चयनित करने की प्रक्रिया जारी है।

खज्जियार (हिमाचल प्रदेष), सुन्दरनगर (उत्तर प्रदेष), एकलासपुर (तेलांगाना), दुनेरा (पंजाब), मोहब्बतपुर (हरियाणा), कालिवास (राजस्थान), कुम्बाराकोपालू (कर्नाटक), लोहाट बड्डी (पंजाब), रामपुर गड़वाल (जम्मू कष्मीर), कान्ताबनिया (ओडीषा), इल्सोबा (पष्चिम बंगाल), डुग्गे (महाराश्ट्र), सिंघावल (राजस्थान), मथाना (राजस्थान), बोरनारीकोला (असम) एवं धार (पंजाब), भुसीकष्तपुरवा (उत्तर प्रदेश), भिलूडी (राजस्थान), बारी(राजस्थान), कटगल (कर्नाटक), कोटला (जम्मू कश्मीर), बारापल्ला (उडीसा), पूरना टीगिरीया (उडीसा), चम्पामूरा (त्रिपुरा), कडूमू (आन्ध्रा प्रदेश), खालातीरा (उत्तराखण्ड), घाटा का गॉव (राजस्थान), फरीदसर (राजस्थान)।

परिषद द्वारा अब तक इस प्रकल्प के लिए 4.5 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है। यह राशि ग्रामीणों द्वारा प्रदान किए गए धन और श्रम के रूप में दिए गए योगदान से अलग है।

3. स्थायी प्रकल्पः भारत विकास परिषद् की विभिन्न शाखाएं स्थायी प्रकल्प चला रही है जिनकी की गतिविधियां समाज के लाभ के लिए दैनिक या साप्ताहिक आधार पर संचालित की जाती है। इस प्रकल्प के अंतर्गत अस्पताल, क्लिनिक, फिजियोथैरेपी केन्द्र, मोबाइल वैन, पैथोलॉजी लैब, अल्ट्रासाउण्ड केन्द्र, ब्लड बैंक, शैक्षिक संस्थान, प्रशिक्षण केन्द्र, पुस्तकालय, योग प्रशिक्षण केन्द्र, संस्कार केन्द्र, वरिष्ठ नागरिक कल्याण केन्द्र, मुक्तिधाम, शव वाहन इत्यादि।

सेवा प्रकल्पों की संख्या – 1680

शिक्षा	257
स्वास्थ्य	413
स्वावलम्बन	355
सामाजिक	675

4. वनवासी सहायता (आदिवासी विकास): भारत विकास परिषद् सामान्य और विशेष रूप से उत्तर पूर्वी राज्यों एवं देश के अन्य राज्यों के वनवासियों के कल्याण और उत्थान के लिए काम कर रही है। परिषद् ने शौचालय निर्माण, कढ़ाई–सिलाई केंद्र, कंप्यूटर शिक्षा केंद्र, छात्रावास, एकल विद्यालय, पुस्तकालय, चिकित्सा वैन, सौर संयंत्र, पेयजल और अन्य व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र जैसी परियोजनाओं के माध्यम से स्वावलम्बी बनाया जा रहा है। गत वर्ष 611101/– की सहायतार्थ राशि भेजी गई। इसके अतिरिक्त उत्तर–पूर्व के विभिन्न क्षेत्रों में निम्नलिखित कार्य किये गये।

- मणिपुर के थौबल (जिला थौबल) मोइरंग (बिषनपुर) थान्गा (विश्णुपुर) गावों में 100 षौचालयों का निर्माण कराया गया।

- इम्फाल जिले के चिंगमेरंग गांव में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करने हेतु भारत विकास परिशद् द्वारा एक सामुदायिक R-O- प्लांट लगाया गया। जिसके संचालन से पूरे गांव को R-O का स्वच्छ पेय जल प्राप्त हो रहा है।

- पातसोई (इम्फाल वेस्ट) एवं चिंगमेरांग (इम्फाल ईस्ट) में सिलाई –कढ़ाई बुनाई के लिए पावर लूम (च्वूमत सववउ) का संचालन किया जाता है। यहाँ पर भारत विकास परिशद् के सहयोग से महिलाओं ने समूह बनाकर मणिपुर की पारम्परिक कपड़ों की सिलाई –कढ़ाई–बुनाई करके दिल्ली में विक्री की जिससे कई लाख रुपयों का लाभ कमाया।

- मणिपुर में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत इम्फाल ईस्ट, इम्फाल वेस्ट, बिश्णुपुर, थौबल, चंदेल एवं कांगपोकपि जिलों में भारत विकास परिशद् द्वारा विभिन्न कैंपो के माध्यम से 15 –55 वर्श आयु की 3000 महिलाओं का हीमोग्लोबिन स्क्रीन टेस्ट किया गया। इसके अलावा वहां पर 15000 से अधिक सेनेटरी नैपकिन, आयरन एवं मल्टीविटामिन की गोलियां तथा पौश्टिक खाद्य सामग्री वितरित की गयी। इस अभियान को और अधिक

गतिषील एवं प्रभावी बनाने के लिए 17 सितम्बर 2021 को मोबाइल टेस्टिंग वैन का षुभारम्भ किया गया।

- अगरतल्ला में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु 3 सिलाई एवं कौषल विकास केंद्रों संचालन किया जा रहा है जिसमे 300 से अधिक महिलाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

- त्रिपुरा के उदयपुर में बारमुरा गांव को भारत विकास परिशद् द्वारा अंगीकृत करके वहां पर मूलभूत सुविधाएँ प्रदान करने के साथ–साथ महिलाओं के लिए कौषल विकास केंद्र भी संचालित किया जा रहा है।

- धर्मनगर के पानिचारा एवं कैलाषर के देववर्मापरा गांवो में भी सिलाई एवं कौषल विकास केंद्रों संचालन किया जा रहा है।

- मिजोरम में लोगतलई जिले के अति पिछड़े गांव मालछोरा में जहाँ पर लोगों ने बिजली नाम भी नहीं सुना था। उस गांव में भारत विकास परिशद् द्वारा 16,25,000 (सोलह लाख पच्चीस हजार) की लागत से 150 सोलर हाउस लाइट लगवाई गई। आज वह गांव चहुमुखी विकास की ओर अग्रसर हो रहा है।

- कोरोनाकाल के दौरान आइजोल में भारत विकास परिशद् द्वारा 300 लोगों को राषन (10 किलो चावल, 5 किलो आलू, 2 किलो दाल, 2 किलो चीनी,1 किलो तेल, 1 किलो नमक एवं मसाले) की किट प्रदान की गई।
- मिजोरम के आइजोल में भारत विकास परिशद् एवं नार्थ ईस्ट कृशि विष्वविद्यालय के साथ MOU करके मुर्गी पालन एवं सुअर पालन के लिए लगभग 100 गावों के प्रत्येक घर में मुर्गी के चूजे एवं पिग्लेट्स प्रदान किये गए जिससे वहां के लोगो को बहुत अच्छा रोजगार प्राप्त हो रहा है। वहां के जो युवक जो पहले उग्रवाद में संलिप्त था वे आज अपने रोजगार में लगे हुए है।–

5 सामूहिक सरल विवाहः इसे कार्य द्वारा समाज में समरस्ता भाव के विकास में सहयोग किया जा रहा है। बेटी के विवाह में आर्थिक रुप से कमजोर का साथ देकार सबल वर्ग सामाजिक सुरक्षा के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

भारत विकास परिषद् प्रत्येक साल गरीब एवं जरुतरमंद युवा लडके लडकियां के सामूहिक सरल विवाह का आयोजन करती है। इसके अंतर्गत वर्ष 2020–21 में 304 जोड़ो एवं 2021–22 में 330 जोड़ो की शादी करवाई गई।

6 पर्यावरणः भारत विकास परिषद् पर्यावरण के क्षेत्र में व्यापक रूप से कार्य कर रही है। जिनमें पौधा वितरण एवं पौधारोपण, ट्रीगार्डस लगाकर पौधो की सुरक्षा, जल

संरक्षण, समाजिक प्रयासों से पोखर/तालाबों को जीवंत करने का प्रयास, प्लास्टिक का उपयोग न करना, कपडे के थैलों का वितरण और पर्यावरण से संबंधित अन्य जागरूकता कार्यक्रम। पिछले वर्षों (2020–21 एवं 2021–22) के दौरान हमारी शाखाओं ने 1281 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए और 327362 पौधों का वितरण किया।

7 स्वास्थ्य : हमारी शाखाएं नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच रक्तदान शिविर और विशेष चिकित्सा शिविर जैसे दंत चिकित्सा देखभाल, आंखों की देखभाल, टीबी शिविर, हेपेटाइटिस शिविर और बधिरों के लिए शिविर आदि आयोजित करती हैं। नेत्रदान और सर्जरी की सुविधाएं भी प्रदान की जाती है। शाखाएँ नियमित रूप से स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर सेमिनार आयोजित करती है और बड़े पैमाने पर योग शिविर आयोजित करती हैं। वर्ष के दौरान शाखाओं द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में लाभार्थी निम्नानुसार थे:

	2020–21	2021–22
• आयोजित रक्तदान शिविरों की संख्या	520	502
• एकत्रित इकाइयों (रक्त) की संख्या	45430	37030
• आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविरों की संख्या	1020	782
• लाभार्थियों की संख्या	182882	155016
• आयोजित नेत्र जांच शिविर की संख्या	440	296
• नेत्र जांच लाभार्थियों की संख्या	35200	29600
• नेत्रदान की संख्या	62	52
• आयोजित योग कार्यक्रम की संख्या	311	460
• योग कार्यक्रम में भागीदारी	6220	9200
कुल	**269794**	**230898**

8 महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्रः स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के अलावा, भारत विकास परिषद् ने अस्पताल और उपचार केंद्र स्थापित किए हैं, जहां पर जरुरतमंद मरीजों को निशुल्क या अत्यधिक रियायती दरों पर चिकित्सात्मक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

I - भारत विकास परिषद् अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, कोटा (राजस्थान): भारत विकास परिषद् कोटा अस्पताल 54000 वर्ग फुट में फैला 350 से अधिक बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल है, जिसमें 78 परामर्शदाता चिकित्सा विशेषज्ञ और 442 कर्मचारी चौबीसों घंटे 365 दिन सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। अस्पताल में डेंटल, ऑर्थोपेडिक, पीडियाट्रिक, गाइनों, जनरल फिजिशियन, ईएनटी, कार्डियोलॉजी, फिजियोथेरेपी, न्यूरोसर्जरी, न्यूरो फिजिशियन, यूरोलॉजी, कैंसर ट्रीटमेंट, स्किन, डायटीशियन शामिल हैं। पैथोलॉजिकल डायग्नोसिस, कलर डॉप्लर, टीएमटी, एंजियोग्राफी, सोनोग्राफी, डिजिटल एक्स–रे आदि की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सभी आधुनिक उपकरणों के साथ एडवांस कैथ लैब, डायलिसिस, सीटी स्कैन, पूरी तरह से सुसज्जित स्ट्रोक, आईसीयू, आईसीसीयू, पीआईसीयू और एनआईसीयू की सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

वर्ष के दौरान अस्पताल ने कुल 3.82 लाख रोगियों को उपचार प्रदान किया। इसके अलावा 19,776 मरीजों को विभिन्न विभागों में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में अब तक 9761 सर्जरी की जा कुी हैं।

भ.वि.प. ब्लड बैंकः अस्पताल ने नवीनतम मशीनों से सुसज्जित ठटच ब्लड बैंक नाम से है। 2020–21 के दौरान ब्लड बैंक ने 3,111 यूनिट एकत्र किए।

माधव नर्सिंग क०लेज, कोटाः माधव नर्सिंग कॉलेज वर्ष 2017–18 में प्रारम्भ की गई। यह प्रतिवर्ष 100 से अधिक विद्यार्थियों को 4 वर्षीय बी.एस.सी.नर्सिंग प्रशिक्षण कोर्स प्रदान करता है।

माधव नर्सिंग स्कूल, कोटाः 8,000 वर्ग फुट क्षेत्र में निर्मित **माधव नर्सिंग स्कूल** वर्ष 2017–18 में प्रारम्भ किया गया। इसमें प्रत्येक वर्ष 50 से अधिक 3 साल का नर्सिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान किया जाता है। वर्तमान में 110 छात्र प्रशिक्षण ले रहे हैं।

भारत विकास परिषद् पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट, कोटाः लैब, ईसीजी, ब्लड बैंक, ओ.टी., डायलिसिस, ऑर्थोपेडिक और एंडोस्कोपी तकनीशियन के लिए दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स 2017–18 में शुरू किया गया । प्रत्येक पाठ्यक्रम 25 छात्रों के लिए है। वर्तमान में 76 विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

II भारत विकास आयुर्विज्ञान संस्थान (BVIMS): भारत विकास परिषद् कोटा अस्पताल ने 30 एकड़ भूमि अधिग्रहित की है जिस पर 750 बिस्तरों का मल्टी–स्पेशियलिटी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, डेंटल कॉलेज, आयुर्वेदिक कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा, परिजन निवास आदि के साथ राष्ट्रीय स्तर के कैंसर अस्पताल के निर्माण के लिए कार्य प्रगति पर है। यह कार्य तीन चरणों में पूरा करने की योजना है जिस पर अनुमानित लागत लगभग रु. 400–500 करोड है।

III - भारत विकास परिषद् चैरिटेबल मेडिकल सेंटर, चंडीगढ़ : परिषद् की आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित डायग्नोस्टिक सेंटर जहां पर पैथोलॉजिकल लैब, एम.आर.आई. सेंटर, सी.टी. स्कैन सेंटर, अल्ट्रासाउंड सेंटर, एक्स–रे सेंटर, कार्डियक सेंटर, नेत्र चिकित्सा सहित अन्य निदान और उपचार सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। ओपीडी में स्त्री रोग, सामान्य चिकित्सा, हड्डी रोग, त्वचा, बाल रोग, परामर्श और नुस्खे के लिए परामर्श प्रदान कर रहा है।

पैथोलॉजिकल लैबः– आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पैथोलॉजिकल लैब जिसमें एक पैथोलॉजीकल एमडी डॉक्टर के साथ आठ पूर्णकालिक बी.एससी एवं डिप्लोमा प्रशिक्षित लैब तकनीशियन से सुविधायें प्रदान की जा रही है। केंद्र के पास निम्नलिखित आधुनिकतम मशीनें उपलब्ध हैं:

• दो स्वचालित क्लिनिकल केमिस्ट्री एनालाइजर हैं जो किडनी, लीवर, हार्ट फंक्शन टेस्ट और इलेक्ट्रोलाइट्स, कैल्शियम प्रोफाइल, पैनक्रियाज प्रोफाइल आदि जैसे सभी क्लिनिकल केमिस्ट्री टेस्ट को बड़ी ही सटीकता से कर सकता हैं।

• बेकमैन कल्टर (जर्मनी) का 5–भाग स्वचालित हेमटोलॉजी एनालिजेर मशीन

• पूर्ण स्वचालित ELISA reader of Abbott CMIA जो थाइराइड, एच.आइ.वी, एच.ए.वी. ,विटामिन बी12, HbsAg पर सटीक परीणाम देता है। इन मुख्य उपकरणों के अलावा प्रयोगशाला में दो नवीनतम दूरबीन माइक्रोस्कोप, सेंट्रीफ्यूज, वाटर बाथ, डिजिटल फोटो कैलोरीमीटर और अन्य सहायक उपकरण भी हैं।

ओपीडी सेवाएं : वर्तमान में 10 डॉक्टरों के माध्यम से बाह्य रोगी विभाग संचालित किया जा रहा है

बेतिया परियोजना : परियोजना के तहत ज्यादातर कॉलोनियों और झुग्गी–झोपड़ी क्षेत्रों के पास स्थित सरकारी स्कूलों की छात्राओं को उनके स्कूलों के माध्यम से फोटोयुक्त पहचान पत्र जारी किए जाते हैं, जो उन्हें दसवीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ने तक केंद्र में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती है। यदि जब कोई छात्र स्कूल छोड़ देता है, तो यह सुविधा अपने आप बंद हो जाती है। इसके लिए अब तक लगभग 2000 छात्राओं को आईडी कार्ड जारी किया जा चुका है। गत वर्ष केन्द्र द्वारा 2019 –20 में 4,75,300 रोगी एवं 2020 –21 में 2,30,100 रोगी लाभान्वित हुए।

4 **भ.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल, लुधियाना :** भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल लुधियाना में 45 स्टाफ के साथ चल रहा है। अस्पताल नैचरोपैथी चिकित्सा केंद्र, होम्योपैथी केंद्र, सामान्य चिकित्सा, बाल चिकित्सा, स्त्री रोग, नेत्र विभाग, दंत विभाग, एक्यूप्रेशर और एक्यूपंक्चर भी प्रदान कर रहा है। वर्ष 2020–21 के दौरान ट्रस्ट अस्पताल ने 8980 मरीजों का इलाज किया। इसके अरिक्ति दिव्यागों के लिए निम्न उपकरण वितरित किये गये।

वर्ष 2020–21 के दौरान ट्रस्ट अस्पताल ने 8980 मरीजों का इलाज किया। इसके अरिक्ति दिव्यागों के लिए निम्न उपकरण वितरित किये गये। कषत्रिम अंग–1447, कानों की मषीन–567, ट्राईसाइकिल/व्हीलचेयर–294, पोलियो ऑपरेषन–20, अब तक लाभार्थी (2005 से) 4.50 लाख

5 भारत विकास परिषद पुनर्वास केंद्र एवं संजय आनंद विकलांग अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, पटनाः यह प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स का सुपर स्पेशलिटी सेंटर है। यहां पर पोलियो कॉरेक्टिव एवं इन्नोवेटिव सर्जरी और अस्थि विकलांग शल्य चिकित्सा इकाई के साथ–साथ अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ फिजियोथेरेपी केंद्र भी है। इस केन्द्र ने अब तक 35000 कर्षत्रिम अंग का वितरण, 9094 कॉरेक्टिव सर्जरी, 126 शल्य चिकित्सा शिविर, 327 विकलांग सहायता शिविर का आयोजन एव 524 ट्राइसाइकिल तथां 613 व्हीलचेयर वितरित किये। इसके अलावा केंद्र ने 5475 लोगों का न्यूरो–थेरेपी सेवाएं प्रदान की।

6 भारत विकास परिषद् विवेकानंद आरोग्य केंद्र गुरुग्रामः भारत विकास परिषद् विवेकानंद आरोग्य केंद्र गुरुग्राम में निम्नलिखित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैंः कॉर्डियोलॉजी, सामान्य चिकित्सा, सामान्य सर्जन, स्त्री रोग, नेत्र चिकित्सा, फिजियोथैरेपी, पल्मोनोलॉजी और न्यूरोलॉजी। इसके अलावा डायलिसिस, अल्ट्रासाउंड, एक्स–रे, इको, टीएमटी, पीएफटी, ईसीजी, ईईजी, मेमोग्राफी, ओपीजी और होल्टर टेस्ट की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। गत वर्ष के दौरान, केंद्र द्वारा 55,943 रोगियों ने लाभ प्राप्त किया।

7 दिव्यांग सहायता केंद्र दिल्ली : दिल्ली स्थित भारत विकास परिषद का यह पहला दिव्यांग सहायता केन्द्र हैं 2020–21 में केन्द्र द्वारा निम्न कार्य किए गए।

- कृत्रिम अंग का वितरण – 1422, इसके साथ केन्द्र द्वारा अबतक 85161 कृत्रिम अंग वितरित किये जा चुके हैं
- नेत्र ऑप्रेशन–1547, इसके साथ केन्द्र द्वारा अबतक 25076 नेत्र ऑप्रेशन किये जा चुके हैं।
- नेत्र चिकित्सा के अंतर्गत चश्मों का वितरण – 1020 केन्द्र द्वारा अबतक 133414 चश्में वितरित किये।

8 जेनेरिक मेडिसिन सुविधाएंः भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट हैदराबाद (तेलंगाना) में **''भारत विकास संजीवनी जेनेरिक मेडिकल स्टोर''** कुशल फार्मासिस्टों द्वारा संचालित किया जा रहा हैं। यह जेनेरिक दवाएं मार्केट में उपलब्ध मेडिकल स्टोरों की तुलना में बहुत कम दर पर प्रदान की जा रही हैं। वर्तमान में, 16 जेनेरिक मेडिकल स्टोर प्रतिदिन 700 से अधिक रोगियों की सेवा कर रहे हैं। इससे वर्ष भर 2,55,500 से अधिक जरुरतमंद लाभांवित हो रहे हैं।

9 डॉ सूरज प्रकाश आरोग्य केन्द्र, फरीदाबादः भारत विकास परिषद् स्वास्थ्य आयामों के अंतर्गत फरीदाबाद (हरियाणा) सैक्टर–8 में एक स्थायी प्रकल्प डॉ सूरज प्रकाश आरोग्य केन्द्र का संचालन प्रारम्भ हुआ है। अभी हाल ही में 31 जनवरी 2022

को डाइग्नोस्टिक एवं डे–केयर सेन्टर का शुभारम्भ किया गया।

9 शिक्षा : भारत विकास परिषद् गर्ल्स इण्टर कॉलेज खुर्जा (उ.प्र.) 5 एकड. में बना हुआ CBSC से affiliated विद्यालय है इसमें 710 छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और इसका परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत है। इसके अलावा भारत विकास परिषद् स्कूल नांजनगुड (कर्नाटक) इसके साथ ही कोटा में माधव नर्सिंग कॉलेज (4 वर्षीय), जी.एन. एम. नर्सिंग स्कूल (3 वर्षीय) एवं भारत विकास परिषद् पैरामेडिकल इन्स्टीट्यूट (2 वर्षीय) चलाये जा रहे हैं।

10 एनीमिया मुक्त भारत

देश की महिलाओं और बच्चों में रक्ताल्पता (एनीमिया) जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए 'एनीमिया मुक्त भारत' नाम के इस अभियान को प्रारम्भ किया गया है। एनीमिया से ग्रसित होने पर निम्न परेशानियां हो सकती हैं– रक्त में ऑक्सीजन की कम आपूर्ति से अंदरूनी अंग जैसे कि किडनी–लीवर आदि को क्षति पहुंच सकती है। रक्त में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी पूरा करने के लिए हृदय ज्यादा दबाव बनता है, इससे उसे नुकसान पहुंचता है। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया समय पूर्व प्रसव और कई बार बच्चे की मौत का भी कारण बन जाता है। एनीमिक बच्चे प्रायः अल्प–पोषण, कुपोषण और ठिगनापन का शिकार हो जाते हैं, जिससे उनका पूरा जीवन प्रभावित होता है।

इसकी महती आवश्यकता को देखते हुए भारत विकास परिषद् ने अक्टूबर 2020 में इस अभियान का शुभारम्भ किया। इसके तहत भारत विकास परिषद् की शाखाएँ, गांव–गांव जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों और 15 से 49 आयुवर्ग की महिलाओं की रक्त जांच कर उन्हें जरूरी उपचार किये जा रहे हैं। जाँच में जो भी एनीमिक पाए जाते हैं। उन्हें आयरन की गोली समेत अन्य जरूरी दवाएं दी जाती है। साथ ही उन्हें खाने में क्या–क्या घरेलू चीजें लेनी हैं, इसकी जानकारी दी जा रही है

इस अभियान के अंतर्गत अब तक पूरे देश के विभिन्न क्षेत्रों में 55770 टेस्ट किये गए जिसमें 16731 महिलाएं एवं बच्चियां एनेमिक थीं जिनकी हीमोग्लोबिन रेंज 8 हड़े. से भी कम पाई गई।

12 आत्मनिर्भर भारत

आजादी के 75 वर्ष अमृतमहोत्सव के अवसर पर भारत विकास परिषद् ने महिलाओं को छोटे छोटे कुटीर उद्योगों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे है। इसके अंतर्गत देश के विभिन्न क्षेत्रों में भारत विकास परिषद् द्वारा सिलाई केन्द्र का संचालन, ब्यूटीपार्लर केन्द्र एवं कम्पयूटर केन्द्र का संचालन किया जा रहा है जिससे वे स्वाभिमानी बनकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही है तथा परिवार के अन्य सदस्यों को इस काम में सलंग्न करके आत्मनिर्भर बन रही है। इसका विवरण निम्न प्रकार है।

- वाराणसी में 75 गरीब महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान की गयी जिससे उन्हें अपना एक आय का साधन मिल गया और इससे उनके परिवार के अन्य सदस्यों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे है।

- पश्चिमी दिल्ली के रघुवीर नगर इलाके की गुजराती बस्ती में वाघरी समाज रहता है जो सामान्य रूप से पुराने कपड़ों का काम करता है, महिलायें घर–घर फेरी लगाकर बर्तन के बदले पुराने कपडे लेती है। इसमें अधिकतर परिवार प्रतिदिन कमाकर खाने वाले हैं। मार्च 2020 में लॉकडाउन लगते ही उनका काम काज पूरी तरह से बंद होने के कारण वे बेरोजगार हो गईं। उन महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं रोजगार देने के लिए सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। इसके साथ उस बस्ती की 75 गरीब छात्राओं को 750/– प्रतिमाह छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है।

- आत्मनिर्भर कार्यक्रम के अंतर्गत जम्मू एवं कश्मीर के विभिन्न स्थानों में जैसे अखनूर (जम्मू), जोड़ियां (जम्मू), बकोर (जम्मू), रियासी जिले में दो केंद्र, श्रीनगर (कश्मीर), कोकरनाग (अनंतनाग) एवं सोपोर में सिलाई केंद्र चलायें जा रहे है जिससे हजारों महिलाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

सिलाई केन्द्र	66
सिलाई मशीन वितरण	500
ब्यूटीपार्लर केन्द्र	12
कम्पयूटर केन्द्र	15
लाभार्थी	**7400**

13 महिला एवं बाल विकासः महिला एवं बाल विकास प्रकल्प की महिला कार्यकर्ताओं द्वारा वर्ष 21– 22 में निम्नलिखित कार्य किए गए –

- दिव्यांग बेटियों को कृत्रिम अंग वितरण, गर्भवती महिलाओं को हेतु गुड़ ,चना और लोहे की कढ़ाई का वितरण
- करोना योद्धा सम्मान
- इको फ्रेंडली भगवान गणपति जी की मूर्ति बनाना,
- दीपावली पर एलईडी झालर, गोबर और मिट्टी के दीए, धूपबत्ती बनाना/ सिखाना
- हृदय रोग शिविर का आयोजन
- सैनिकों को राखी बना करके भेजना
- बाल संस्कार शिविर 265 ऑनलाइन
- लाभार्थी 26757

- बेटी पढ़ाओ–बेटी अपनाओ– बेटी बसाओ 267
- पैड वेंडिंग मशीन 150
- सैनेटरी पैड वितरण 30000

14 कम्बल वितरण : जनवरी 2022 के महीनें में कड़ाके की शीतलहर में नितांत आश्यकता के समय जरुरतमंदों एवं अस्पतालों में मरीजों के तीमारदारों जो फुटपाथों पर सर्दी से बेहाल हो रहे थे। भारत विकास परिषद द्वारा उन्हें बडे ही उदारमन भाव से जम्मू, श्रीनगर एवं कश्मीर, अरुणाचल (नाहरलागुन),त्रिपुरा (अगरतला),नागालैण्ड (दीमापुर),असम, मणिपुर, मिजोरम, सिक्किम एवं देश के अन्य विभिन्न क्षेत्रों में 40000 से अधिक कम्बलों एवं गर्म कपड़ों को वितरण किया गया।

15 अन्नपूर्णा रसोईः उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान के अनेक शहरों में परिषद् की इकाइयां 'मां अन्नपूर्णा रसोई' के नाम से निःशुल्क भोजन वितरण करा रही है। कोरोना काल में इन शाखाओं ने स्थानीय प्रशासन के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर समाज की सेवा की ।

संपर्क

1 संस्कृति सप्ताहः भारत विकास परिषद् का यह एक वार्षिक प्रकल्प है जो प्रत्येक वर्ष जुलाई से सितम्बर माह के बीच आयोजित किया जाता है और इसमें प्रत्येक शाखा सप्ताहभर लगातार संस्कार उन्मुख कार्यक्रम जैसे – मेंहदी लगाओ प्रतियोगिता, ड्रेस प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, व्यंजन बनाओ प्रतियोगिता एवं अन्य जागरुकता सबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

2 परिषद् स्थापना दिवसः 10 जुलाई भारत विकास परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर परिषद के क्रिया कलापों एव उधेश्यों को समाज में पहुचाने के उधेश्य से परिषद् के विभिन्न स्तर शाखा–प्रांत एवं रीजन स्तरों पर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सेवा–संस्कार के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कई स्थानों पर वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित हुए।

3 प्रकाशनः परिषद की मासिक पत्रिका नीति और त्रैमासिक पत्रिका ज्ञान प्रभा का प्रकाशन किया जा रहा है। नीति की 63,500 प्रतियां एवं ज्ञान प्रभा की 1500 प्रतियां प्रकाशित होती है। परिषद् की प्रकाशन विभाग द्वारा विभिन्न प्रकल्पों और गतिविधियों पर आधारित साहित्य का प्रकाशन कर रही है पिछले 2 वर्षों में कोरोना के चलते भारत को जानो और राष्ट्रीय चेतना के स्वर की पुस्तकें नहीं छप सकीं परन्तु अभी भारत को जानो की 3 लाख किताबें और राष्ट्रीय चेतना के स्वर की 20 हजार पुस्तकों का मुद्रण प्रगति

पर है। इसके अतिरिक्त सभी प्रकल्पों की पुस्तिकाएं एवं परिषद् के नियम व संचालन से संबधित पुस्तिकाएं भी प्रकाशित की जा रही हैं। देश के विभिन्न भागों में परिषद् की शाखाओं /प्रांतों द्वारा 50 से अधिक पुस्तक/पुस्तिकाएं प्रकाशित की जाती हैं।

4 परिषद् की वेबसाइट और सोशल मीडियाः भारत विकास परिषद् की वेबसाइट(www.bvpindia.com) परिषद् के कार्यक्रमों के संचालन एव गतिविधियों की जानकारी एवं प्रचार–प्रसार का एक प्रभावशाली माध्यम है। इसे प्रतिदिन नियमित रुप से भारत विकास परिषद् केन्द्रीय कार्यालय द्वारा अनुरक्षित किया जाता है।

परिषद् की यह वेबसाइट 16 वर्षों से सफलतापूर्वक परिषद् की सभी आवश्यक अद्यतन जानकारी नवीनतम तकनीक के साथ वेबसाइट को मोबाइल अनुकूल बनाकर और दैनिक समाचार ब्लॉग सहित सेवाएं प्रदान की जा रही है। परिषद की गतिविधियों एवं नवीनतम समाचार की जानकारी हेतु सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप्प ब्राडकास्टिंग ग्रुप, फेसबुक (bharatvikasparishadcentral), ट्विटर (@BVPorg), यूट्यूब (Bharat Vikas Parishad, Vikas Varta) पर भी उपलब्ध है।

5 क्षेत्रीय कार्यालयः आपको सूचित करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि कौर कॉमेटी के निर्णय के अनुसार 3 क्षेत्रों में क्षेत्रीय कार्यालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

1. उत्तर पश्चिम क्षेत्र का क्षेत्रीय कार्यालयः जयपुर में अजमेर रोड पर 1 करोड़ की लागत से 3600 sq. fts. जमीन खरीद कर निर्माण कार्य प्रगति पर है जिसमें केन्द्रीय कार्यालय ने रुपये 50 लाख सहयोग प्रदान किया है शेष राशि का प्रबंधन रीजन एवं प्रांत मिलकर स्वंय कर रहे हैं।

2. उत्तर क्षेत्र–1 का क्षेत्रीय कार्यालयः पठानकोट के छतवाल में भारत विकास परिषद चैरिटेबल ट्रष्ट नई दिल्ली के नाम पर उपलब्ध भूमि पर क्षेत्रीय कार्यालय का निर्माण प्रारम्भ हो चुका है। जिसका विधिवत भूमि पूजन समारोह 29 जनवरी 2022 को माननीय अध्यक्ष श्री गजेन्द्र सिंह सन्धू एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुरेश जैन जी के द्वारा संपन्न किया गया।

3. उत्तर मध्य क्षेत्र–2 का क्षेत्रीय कार्यालयः भारत विकास परिषद् उत्तर–मध्य क्षेत्र–2 का क्षेत्रीय कार्यालय के लिए लखनऊ निवासी श्री सुरेन्द्र कुमार जैन ने परिषद् के कार्यों से प्रभावित होकर समाज के प्रति बड़े ही निष्ठा एवं समर्पण भाव से 3.5 करोड़ की लागत वाला अपना 11421 sq. fts. का मकान न. 561/1 प्लॉट न. ए–19, सिन्धू नगर (लखनऊ) भारत विकास परिषद को उपहार स्वरुप दान दिया है। इसकी रजिस्ट्री की प्रक्रिया 24 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्याम शर्मा, राष्ट्रीय संगठन

मंत्री श्री सुरेश जैन, संगठन मंत्री (3 क्षेत्र) श्री विक्रान्त खण्डेलवाल एवं रीजन अध्यक्ष श्री आर.बी. श्रीवास्तव, रीजन के महासचिव श्री मुकेश जैन, प्रांत के सभी पदाधिकारीगण एवं इसके मुख्य सूत्रधार रहे श्री विनोद अग्रवाल जी की उपस्थित में सम्पन्न हुई।

संगठन की उपलब्धियाँ

- वर्ष 1995 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने भारत विकास परिषद द्वारा विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु विकलांग सहायता केंद्र, दिल्ली को 'राष्ट्रीय पुरस्कार' प्रदान किया।

- वर्ष 2004 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए लुधियाना में परिषद के विकलांग सहायता केंद्र को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।

- वर्ष 2007 में देष के तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत विकास परिषद दिव्यांग सहायता केंद्र लुधियाना को शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए फिक्की पुरस्कार से सम्मानित किया।

- वर्ष 2008 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने घरों, स्कूलों, आंगनवाड़ियों में पूर्ण स्वच्छता कवरेज प्राप्त करने और ग्रामीण स्वच्छता को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान के लिए 17 अक्टूबर, 2008 को भारत विकास परिषद द्वारा गोद लिए गए मुहब्बतपुर गांव को ''निर्मल ग्राम पुरस्कार'' प्रदान किया।

- 10 दिसंबर 2017 को एन.डी.एम.सी. कनवेशंन सेन्टर में राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रुप महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी ने भारत विकास परिषद् की भूरि–भूरि प्रंसशा की।

- 22 नवम्बर 2021 को देश के सबसे प्रतिष्ठित विज्ञान भवन के सभागार में डॉ सूरज प्रकाश जन्म शताब्दी वर्ष का बृहद एव भव्य आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में माननीय श्री मोहन भागवत जी पूज्यनीय सरसंघचालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

मै भारत विकास परिषद् की वार्षिक आख्या (2020 –21 एवं 2021 –22) प्रस्तुत करते हुए अपने आप को गौरान्वित महसूस कर रहा हूँ और परिषद् के सभी सहयोगी कार्यकर्ता को कोटिशः धन्यवाद एवं साधुवाद ।

27 मार्च 2022 **श्याम शर्मा** – राष्ट्रीय महामंत्री

Bharat Vikas Parishad
VIKAS RATNA
Contribution

S.No.	Name	Place	Prant
	2020-21		
1.	Shri Ramesh Chandra Sharma	Udaipur	Rajasthan South
2.	Shri Sunder Prasad Singla	Dhand	Haryana North
3.	Brig. Narendra Mal Singhavi	Jodhpur	Rajasthan West
4.	Shri Hira Lal Sharma	Goregaon (W)	Mumbai
5.	Shri Deo Nath Meharwar	Gaya	Magadh Bihar
6.	Dr. Paramjit Pahwa	Kurukshetra	Haryana North
7.	Shri Niranjan Kumar Kairon	Ambala Cantt.	Haryana North
8.	Shri Govind Ram Chawla	Ambala Cantt.	Haryana North
9.	Smt. Kiran Sharma	Kurukshetra	Haryana North
10.	Shri Sudhir Verma	Ambala Cantt.	Haryana North
11.	Shri Virendra Kumar Gupta	Aligarh	Braj Prant
	2021-22		
1.	Shri Ratan Lal Nahar	Ajmer	Rajasthan Central
2.	Shri Pradeep Khera	Ambala Cantt.	Haryana North
3.	Shri Mohan Gupta	Bhiwadi	Rajasthan North East
4.	Shri Pankaj Agarwal	Bhiwadi	Rajasthan North East
5.	Shri Tarsem Chand Tayal	Sriganga Nagar	Rajasthan North
6.	Shri Parveen Mangala	Aligarh	Braj North
7.	Dr. M. Premjit Singh	Imphal	Manipur
8.	Shri Navneet Goel	Gandhidham	Gujarat Central
9.	Shri Rakesh Goyal	Punjabi Bagh	Delhi North
10.	Shri Vinod Madhav Karandikar	Thane	Mumbai Prant
11.	Shri Chandra Mohan Gupta	Kanpur	Brahmavart
12.	Shri G. Laxman Rao	Hyderabad	Telangana
13.	Shri Arjun Das Bhardwaj	Dehradun	Uttrakhand West
14.	Shri Anup Kumar Kaul	Dehradun	Uttrakhand West
15.	Shri Abhay Kashyap	Dehradun	Uttrakhand West
16.	Shri Man Mohan Kumar Nagalia	Dehradun	Uttrakhand West
17.	Shri Sunil Kumar Patodia	Mumbai	Mumbai Prant
18.	CA Sandeep Baldi	Bhilwara	Rajasthan Central
19.	Shri Ajeet Singh Tomer	Dehradun	Uttrakhand West
20.	Shri Surendra Raj Mehta	Jodhpur	Rajasthan West
21.	Shri Dharm Gopal Mittal	Agra	Braj Prant
22.	Shri Madhav Gupta	Rampur	Rohilkhand West
23.	Shri Pradeep Kumar Saxena	Lucknow	Avadh Prant
24.	Shri Pawan Kumar Banger	Bhilwara	Rajasthan Central
25.	Shri Harish Kumar Gaur	Gurgaon	Haryana South

Bharat Vikas Parishad
Branches and Membership in Various Prants
During 2020-21 and 2021-22 (upto 20th March)

S. No.	Region/ PRANT	Branches as on		Membership (Family Unit) as on		Vikas Mitra as on	Vikas Ratna as on
		Mar-21	Feb-22	Mar-21	Feb-22	Feb-22	Feb-22
	NORTH REGION-I						
1	Jammu & Kashmir	18	23	654	1000	12	1
2	Himachal Pradesh West	13	13	542	542	8	
3	Himachal Pradesh East	10	11	260	260		
4	Punjab North	23	23	860	600	51	3
5	Punjab West	43	43	2135	1845	152	
6	Chandigarh	27	29	1982	2110	78	6
7	Punjab South	30	30	1700	1500	157	1
8	Punjab East	37	37	2212	2000	245	6
	Total	**201**	**209**	**10345**	**9857**	**703**	**17**
	NORTH REGION-II						
9	Haryana North	42	44	2141	2150	51	9
10	Haryana South	21	23	982	1400	143	6
11	Haryana Madhya	25	30	1181	1463	51	6
12	Haryana West	34	37	1891	2215	81	4
13	Delhi North	9	13	966	610	42	3
14	Delhi Central	18	26	1510	1650		
15	Delhi South	8	9	472	549	42	1
16	Delhi West	15	15	1020	600		7
17	Delhi East	23	24	860	622	66	3
	Total	**195**	**221**	**11023**	**11259**	**476**	**39**
	NORTH CENTRAL REGION-I						
18	Uttrakhand West	20	22	817	842	118	15
19	Uttrakhand East	19	19	670	680	54	6
20	U.P. West	46	46	2061	2084	184	14
21	Hastinapur	52	52	1632	1752	242	10
22	Rohelkhand East	18	18	250	560	4	1
23	Rohelkhand West	20	18	855	675	87	6
24	Braj Uttar	20	20	725	703	43	8
25	Braj Prant	32	32	1097	1246	45	2
	Total	**220**	**229**	**8107**	**8542**	**777**	**62**

S. No.	Region/ PRANT	Branches		Membership (Family Unit)		Vikas Mitra	Vikas Ratna
		Mar-21	Feb-22	Mar-21	Feb-22	Feb-22	Feb-22
	NORTH CENTRAL REGION-II						
26	Bundelkhand	13	13	497	415	82	2
27	Brahmavart	40	43	1593	1706	106	7
28	Avadh Pradesh	23	23	1576	1384	186	9
29	Goraksh	8	8	200	200		
30	Kashi	30	34	1160	1200	81	4
31	Prayag	12	15	392	450	21	4
	Total	**126**	**136**	**5418**	**5355**	**476**	**26**
	EAST REGION						
32	North Bihar	14	13	543	433	12	
33	Koshi Bihar	5	5	136	91	3	
34	Magadh Bihar	8	8	250	345	15	2
35	South Bihar	10	15	346	538	5	
36	Jharkhand	22	24	774	742	42	1
37	Odisha East	14	14	631	697	14	1
38	Odisha West	9	9	340	328		
39	West Bengal	16	16	527	255	31	3
	Total	**98**	**104**	**3547**	**3429**	**122**	**7**
	NORTH EAST REGION						
40	Assam	20	31	695	721	8	
41	Sikkim	1	1	25	25		
42	Meghalaya	3	1	75	25		
43	Mizoram	1	1	25	25		
44	Arunachal Pradesh	4	9	101	225		
45	Nagaland	1	1	25	25		
46	Manipur	9	9	258	243		2
47	Tripura	9	9	240	230	5	
	Total	**48**	**62**	**1444**	**1519**	**13**	**2**
	NORTH WEST REGION						
48	Rajasthan North	27	30	1079	1166	78	4
49	Rajasthan North East	25	32	1452	1810	96	8
50	Rajasthan East	21	22	1142	1275	88	1
51	Rajasthan South East	37	37	1611	1615	61	1
52	Rajasthan West	27	28	1755	1845	136	8
53	Rajasthan Central	37	40	2292	2661	160	8
54	Rajasthan South	34	34	1323	1331	151	5
	Total	**208**	**223**	**10654**	**11703**	**770**	**35**

S. No.	Region/ PRANT	Branches		Membership (Family Unit)		Vikas Mitra	Vikas Ratna
		Mar-21	Feb-22	Mar-21	Feb-22	Feb-22	Feb-22
	CENTRAL REGION						
55	Madhya Bharat North	19	21	907	1047	13	7
56	Madhya Bharat West	17	17	674	716	80	
57	Madhya Bharat South	14	14	533	419	3	
58	Mahakaushal	17	17	641	279	10	
59	Vindhya	8	9	326	367	2	
60	Chhattisgarh	8	8	275	304	2	1
	Total	**83**	**86**	**3356**	**3132**	**110**	**8**
	WEST REGION						
61	Gujarat North	15	15	1185	1246	5	
62	Gujarat Central	33	38	1450	1957	7	
63	Saurashtra Kutch	21	22	1400	1650		
64	Maharashtra Kokan	10	12	510	600	4	2
65	Mumbai	17	20	700	900	116	19
66	Maharashtra West	13	13	535	492	21	4
67	Vidarbha	4	6	112	213		1
68	Devgiri	5	8	210	375		
69	Goa	4	4	160	104	2	
	Total	**122**	**138**	**6262**	**7537**	**155**	**26**
	SOUTH REGION						
70	Telangana	13	13	679	586	21	5
71	Andhra Pradesh	18	23	600	770	22	2
72	Karnataka North	5	5	170	194	37	2
73	Karnataka South	11	13	553	326	72	3
74	Kerala & Lakshadweep	5	6	155	209	8	
75	Tamil Nadu North	9	9	254	207	13	3
76	Tamil Nadu South	6	6	160	160	1	2
	Total	**67**	**75**	**2571**	**2452**	**174**	**17**
	GRAND TOTAL	**1368**	**1483**	**62727**	**64785**	**3776**	**239**